List of Revised Courses

Department : *Hindi*

Program Name : *M.A. Hindi*

Academic Year : 2016-17

List of Revised Courses

Sr. No.	Course Code	Name of the Course
1.	*M.A. Hindi(101)*	**छायावादी काव्य**
2.	*M.A. Hindi(102)*	कथेतर गद्य विधाएं
3.	*M.A. Hindi(103)*	भाषा विज्ञान
4.	*M.A. Hindi(104)*	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आरम्भ से रीतिकाल तक)
5.	*M.A. Hindi(201)*	छायावादोत्तर काव्य
6.	*M.A. Hindi(202)*	कथा साहित्य
7.	*M.A. Hindi(203)*	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)
8.	*M.A. Hindi(204)*	स्त्री एवं दलित : अध्ययन और साहित्य
9.	*M.A. Hindi(301)*	भक्ति काव्य
10.	*M.A. Hindi(302)*	हिन्दी नाटक एवं एकांकी
11.	*M.A. Hindi(303)*	भारतीय काव्यशास्त्र
12.	*M.A. Hindi(304)*	आधुनिक भारतीय साहित्य

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hindi
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V.
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

Minutes of Meetings (MoM) of Board of Studies (BoS)

Academic Year : 2016-17	
School	**: *Hindi***
Department	**: *B.A. (Hons.) Hindi***
Date and Time	**: 02-09-2015**
Venue	**: UTD HINDI VIBHAG**

Scheme and Syllabus

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hindi
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V.
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय(केन्द्रीय -विश्वविद्यालय)बिलासपुर,छत्तीसगढ़

विश्वविद्यालय पत्र क्रमांक 346/अकादमिक/ अ.मं.हिंदी/2015, बिलासपुर,दिनांक 28/08/15 के अनुसार हिंदी विभाग द्वारा प्रस्तावित पाठ्यक्रम अध्ययनमंडल के सदस्यों के समक्ष विचारार्थ एवं अनुमोदनार्थ प्रस्तुत है |

बैठक तिथि :02/08/2015

समय :11:00 बजे

अध्ययन मंडल के सदस्य :

1. प्रो.विशन सिंह राठौड़ -- अध्यक्ष, अध्ययन मंडल

   दिभागाध्यक्ष ,हिंदी

2. प्रो.सुधाकर सिंह -- बाह्य विशेषज्ञ, अध्ययन मंडल

   हिंदी विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी

3. श्री मुरली मनोहर सिंह - सदस्य, अध्ययन मंडल

   सहायक प्राध्यापक

   हिंदी विभाग

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hindi
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V.
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय
बिलासपुर छ.ग.

हिन्दी विभाग
कला संकाय

सत्र-2015-16 (एवं क्रमशः)
हेतु
संचालित पाठ्यक्रम

स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम के
चयन आधारित स्तरीय प्रणाली
(Choice Based Credit System)
की सत्रीय व्यवस्था युक्त
2015-16 (एवं क्रमशः)

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hindi
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V.
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

पाठ्यक्रम परिचय

हिन्दी विषय के पाठ्यक्रम चार सत्रों में संयोजित है | प्रत्येक सत्र में चार प्रश्न-पत्र शामिल हैं, प्रश्न-पत्र 100 अंकों के होंगे | 60 अंक सत्रांत परीक्षा के लिए निर्धारित हैं और 40 अंक आतंरिक मूल्यांकन (वर्गीय मूल्यांकन एवं अधिन्यास/पत्र-प्रस्तुति)के लिए निर्धारित हैं | सत्रांत परीक्षा के लिए 3.00 घंटे का समय निर्धारित है | स्नातकोत्तर दो वर्षीय पाठ्यक्रम के लिए 80 क्रेडिट निर्धारित हैं |

[पाठ्यक्रम के लिए निर्धारित अध्ययन सामग्री/पाठ निम्नानुसार है]

अंक आवंटन :

सत्र	प्रश्न पत्र	सैद्धांतिक	आतंरिक मूल्यांकन
प्रथम	4	60x4=240	40x4=160
द्वितीय	4	60x4=240	40x4=160
तृतीय	4	60x4=240	40x4=160
चतुर्थ	4	60x4=240	40x4=160

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hindi
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V.
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

अध्ययन पाठ्यक्रम

प्रथम सत्र -

क्रम.	पत्र का स्वरूप	पाठ्यक्रम का शीर्षक	अंक निर्धारण	क्रेडिट
1	मुख्य	छायावादी काव्य	100/40 (Grade: O/P)	05
2		कथेतर गद्य विधाएं	100/40 (Grade: O/P)	05
3	मुख्य	भाषा विज्ञान	100/40 (Grade: O/P)	05
4	मुख्य	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आरम्भ से रीतिकाल)	100/40 (Grade: O/P)	05
Total Credit				20

द्वितीय सत्र

क्रम.	पत्र का स्वरूप	पाठ्यक्रम का शीर्षक	अंक निर्धारण	क्रेडिट
1	मुख्य	छायावादोत्तर काव्य	100/40 (Grade: O/P)	05
2		कथा साहित्य	100/40 (Grade: O/P)	05
3	मुख्य	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	100/40 (Grade: O/P)	05
4	मुख्य	स्त्री एवं दलित : अध्ययन और साहित्य	100/40 (Grade: O/P)	05
Total Credit				20

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hindi
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V.
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

तृतीय सत्र

क्रम.	पत्र का स्वरूप	पाठ्यक्रम का शीर्षक	अंक निर्धारण	क्रेडिट
1	मुख्य	भक्ति काव्य	100/40 (Grade: O/P)	05
2	मुख्य	नाटक एवं एकांकी	100/40 (Grade: O/P)	05
3	मुख्य	भारतीय काव्यशास्त्र	100/40 (Grade: O/P)	05
4	मुख्य	आधुनिक भारतीय साहित्य	100/40 (Grade: O/P)	05
Total Credit				20

चतुर्थ सत्र - इस सत्र में तीन मुख्य प्रश्न-पत्र होंगे और एक वैकल्पिक प्रश्न-पत्र होंगे जो कि विभागाध्यक्ष की अनुमति के बाद आवंटित किया जाएगा |

क्रम.	पत्र का स्वरूप	पाठ्यक्रम का शीर्षक	अंक निर्धारण	क्रेडिट
1	मुख्य	रीति काव्य	100/40 (Grade: O/P)	05
2	मुख्य	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	100/40 (Grade: O/P)	05
3	मुख्य	हिन्दी आलोचना	100/40 (Grade: O/P)	05
4	वैकल्पिक	(क) रंगमंच एवं लोक साहित्य (ख) अनुवाद अध्ययन (ग) जनसंचार माध्यम	100/40 (Grade: O/P)	05
Total Credit				20

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hindi
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V.
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर
पाठ्यक्रम संख्या–101
छायावादी काव्य :

प्रथम इकाई

स्वच्छन्दतावादी काव्यधारा एवं छायावाद
छायावाद : परिभाषा, नामकरण, काल–निर्धारण।
छायावाद युगीन राजनीतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिवेश।
स्वाधीनता आन्दोलन और छायावादी कविता।

द्वितीय इकाई

छायावाद की दार्शनिक पृष्ठभूमि :रोमैंटिसिज़्म,गांधीवाद,आधुनिकता एवं मार्क्सवाद का प्रभाव।

तृतीय इकाई

छायावादी कवियों का संस्कृति, प्रकृति और स्त्री विषयक चिन्तन।
काव्यभाषा एवं छंद विधान, मुक्त छन्द, प्रगीत
तथा लम्बी कविता की अवधारणा।

चतुर्थ इकाई

जयशंकर प्रसाद : कामायनी- श्रद्धा और इडा
सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला : राम की शक्ति–पूजा, बादल राग
सुमित्रानंदन पन्त : परिवर्तन, नौका विहार, अनामिका के कवि के प्रति.
महादेवी वर्मा : क्या पूजा क्या अर्चन रे, पंथ रहने दो अपरिचित, बीन भी हूँ मैं ।

सहायक ग्रन्थः

1. छायावाद : नामवर सिंह
2. छायावाद का पतन : देवराज
3. छायावाद और नवजागरण : महेंद्रनाथ राय
4. निराला की साहित्य साधना : रामविलास शर्मा
5. निराला – आत्महन्ता आस्था : दूधनाथ सिंह
6. कविर्मनीषी निराला : प्रो.सुधाकर सिंह
7. कामायनी : एक पुनर्विचार : मुक्तिबोध
8. महादेवी वर्मा : दूधनाथ सिंह
9. पंत और पल्लव : सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'
10. आधुनिक साहित्य : नन्द दुलारे वाजपेयी

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hindi
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V.
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर
पाठ्यक्रम संख्या : 102
कथेतर गद्य विधाएँ

प्रथम इकाई

हिन्दी गद्य की निर्माण–भूमिः फोर्ट विलियम कॉलेज
भारतेन्दु पूर्व हिन्दी गद्यः गिलक्राइस्ट, सदल मिश्र, इंशाअल्ला खॉ, सदासुख लाल, शिवप्रसाद सितारेहिन्द, एवं राजा लक्ष्मण सिंह का योगदान।

द्वितीय इकाई

भारतेन्दु युगः आधुनिकता और हिन्दी गद्य का अन्तर्सम्बन्ध ।हिन्दी गद्य के विकास में द्विवेदी युग का महत्व। रेखाचित्र, संस्मरण, आत्मकथा; रिपोर्ताज, व्यंग्य एवं निबंध का उद्भव और विकास।

तृतीय इकाई

निबंध :

कविता क्या है : रामचंद्र शुक्ल
अशोक के फूल : हजारी प्रसाद द्विवेदी
व्यापकता और गहराई : नामवर सिंह
संस्कृति का शेषनाग : कुबेरनाथ राय
पगडंडियों का जमाना है : हरिशंकर परसाई

चतुर्थ इकाई

यात्रावृत्तांत :

अथातो घुमक्कड़ जिज्ञासा : राहुल सांकृत्यायन

आत्मकथा :

अपनी खबर : पाण्डेय बेचन शर्मा 'उग्र'

सहायक ग्रन्थ :

1. गद्य साहित्य का इतिहास : रामचंद्र तिवारी
2. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी
3. आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास : बच्चन सिंह
4. भारतेंदु युग और हिन्दी गद्य की विकास–परम्परा : रामविलास शर्मा
5. सामाजिक क्रान्ति के दस्तावेज : सं. शंभुनाथ
6- हिन्दी साहित्य का सरल इतिहास : विश्वनाथ त्रिपाठी

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hindi
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V.
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर
पाठ्यक्रम संख्या : 103
(भाषा विज्ञान)

प्रथम इकाई

भाषा की परिभाषा,तत्व,अंग और विशेषताएं,भाषा परिवर्तन के कारण एवं दिशाएं,साहित्यिक हिन्दी के रूप में खड़ी बोली का उदय और विकास ,

द्वितीय इकाई

स्वनिम विज्ञान -

परिभाषा,स्वन,सस्वन,स्वनिम,स्वनभेद,मानस्वर,स्वान
परिवर्तन के कारण एवं दिशाएं

रूपिम विज्ञान - शब्द और रूप,सम्बन्ध तत्व और अर्थ तत्व,रूप,संरूप,रूपिमों का स्वरूप,रूपिमों का वर्गीकरण.

तृतीय इकाई

वाक्य विज्ञान- वाक्य की परिभाषा एवं स्वरूप,वाक्य रचना,वाक्य के प्रकार,वाक्य परिवर्तन के कारण एवं दिशाएं.

अर्थ विज्ञान - शब्द-अर्थ सम्बन्ध,अर्थ परिवर्तन के कारण एवं दिशाएं,

चतुर्थ इकाई

हिन्दी की बोलियाँ - वर्गीकरण तथा क्षेत्र , नागरी लिपि का विकास और उसका मानकीकरण, राजभाषा हिन्दी की संवैधानिक स्थिति

सहायक ग्रन्थ :

1. हिन्दी भाषा : हरदेव बाहरी
2. भाषा विज्ञान : भोलानाथ तिवारी
3. भाषा–विज्ञान की भूमिका : देवेंद्रनाथ शर्मा
4. हिन्दी भाषा का इतिहास : धीरेंद्र वर्मा
5. समसामयिक हिन्दी में रूप-स्वनिमिकी : प्रो.सुधाकर सिंह
6. हिन्दी शब्दानुशासन : किशोरीदास वाजपेयी
7. प्राचीन आर्यभाषा परिवार और हिन्दी : रामविलास शर्मा
8. भारत की भाषा समस्या : रामविलास शर्मा
9. One language tow scripts : क्रिस्टोफर किंग
10. Hindi phonetic Reader : ओंकार एन कौल

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hindi
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V.
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर
पाठ्यक्रम संख्या : 104
हिन्दी साहित्य का इतिहास (आरम्भ से रीतिकाल)

प्रथम इकाई

हिन्दी साहित्येतिहास लेखन की परंपरा, काल विभाजन एवं नामकरण,आदिकालीन साहित्यिक परम्पराएं-सिद्ध,नाथ एवं जैन,प्रमुख रासो काव्य और उनकी प्रामाणिकता,अमीर खुसरो की हिन्दी कविता,विद्यापति और उनकी पदावली,

द्वितीय इकाई

भक्ति आन्दोलन : सामाजिक सांस्कृतिक पृष्ठभूमि,भक्ति आन्दोलन और लोक जागरण,भक्ति आन्दोलन का अखिल भारतीय स्वरूप,भक्ति आन्दोलन और हिन्दी क्षेत्र.

तृतीय इकाई

भक्तिकाव्य की सामान्य विशेषताएं|प्रमुख निर्गुण संत-कवि,प्रमुख सगुण-भक्त-कवि,भारत में सूफ़ी मत का उदय और विकास,हिन्दी के प्रमुख सूफी कवि और काव्य ग्रंथ,सूफ़ी काव्य धारा की सामान्य विशेषताएं.

चतुर्थ इकाई

रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि,रीतिकाल के मूल स्रोत,प्रमुख रीति कवि,रीति काव्य की सामान्य विशेषताएं.

सहायक ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचंद्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी
3. भक्ति आन्दोलन और सूर का काव्य : मैनेजर पाण्डे
4. कबीर : हजारी प्रसाद द्विवेदी
5. त्रिवेणी : रामचंद्र शुक्ल

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hindi
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V.
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

स्नातकोत्तर द्वितीय सेमेस्टर
पाठ्यकम संख्या : 201
छायावादोत्तर काव्य

प्रथम इकाई

छायावादोत्तर काव्य की राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि।

द्वितीय इकाई

लम्बी कविता का स्वरूप, हालावाद, **नकेनवाद**, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, अकविता, साठोत्तरी एवं समकालीन कविता.

तृतीय इकाई

उर्वशी(तृतीय सर्ग) : रामधारी सिंह दिनकर
अंधेरे में : गजानन माधव मुक्तिबोध

चतुर्थ इकाई

पटकथा : धूमिल
मुक्ति प्रसंग : **राजकमल चौधरी**
ये शाम है,लौट आ ओ धार : **शमशेर बहादुर सिंह**
चम्पा काले-काले अक्षर नहीं चीन्हती : **त्रिलोचन**

- **सहायक ग्रन्थ :**
  1. कल्पना का **उर्वशी** विवाद : सं.–**गोपेश्वर सिंह**
  2. नई कविता और अस्तित्ववाद : रामविलास शर्मा
  3. कविता के नये प्रतिमान : नामवर सिंह
  4. नयी कविता के प्रतिमान : लक्ष्मीकान्त वर्मा
  5. जनवादी समझ और साहित्य : रामनारायण शुक्ल
  6. कविता की संगत : विजय कुमार
  7. एक साहित्यिक की डायरी : मुक्तिबोध
  8. **ज्ञान और संवेदना** : **नंदकिशोर नवल**

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hindi
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V.
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

स्नातकोत्तर द्वितीय सेमेस्टर
पाठ्यक्रम संख्या : 202
कथा–साहित्य

प्रथम इकाई

हिन्दी उपन्यास लेखन की परम्परा। हिन्दी उपन्यास की विकास–यात्रा, प्रेमचंद पूर्व उपन्यास,प्रेमचंद और उनका युग, प्रेमचंद के परवर्ती उपन्यासकार.

द्वितीय इकाई

हिन्दी कहानी की विकास–यात्रा, प्रेमचंद पूर्व एवं प्रेमचंद युग, नयी कहानी, अकहानी, सचेतन कहानी, समांतर कहानी जनवादी कहानी, सक्रिय कहानी, समकालीन कहानी।

तृतीय इकाई **उपन्यास** :

गोदान	: प्रेमचंद
मैला आँचल	: फणीश्वर नाथ 'रेणु'

चतुर्थ इकाई

कहानी :

उसने कहा था	: चंद्रधर शर्मा गुलेरी
गुंडा	: जयशंकर प्रसाद
कफ़न	: प्रेमचंद
परिंदे	: निर्मल वर्मा
हंसा जाई अकेला	: मार्कण्डेय
तिरिछ	: उदय प्रकाश
भैया एक्सप्रेस	: अरुण प्रकाश

सहायक गन्थ :

1. हिन्दी उपन्यास का इतिहास : गोपाल राय
2. उपन्यास का सिद्धांत : जार्ज लुकाच
3. यथार्थवाद : शिव कुमार मिश्र
4. उपन्यास और लोक जीवन : रॉल्फ फॉक्स
5. उपन्यास का उदय : ऑयन वॉट
6. हिन्दी उपन्यास : एक अंतर्यात्रा : रामदरश मिश्र

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hindi
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V.
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

स्नातकोत्तर द्वितीय सेमेस्टर
पाठ्यक्रम संख्या : 203
हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

प्रथम इकाई

आधुनिकता की अवधारणा, हिन्दी गद्य एवं आधुनिकता का अन्तर्सम्बन्ध। हिन्दी–उर्दू विवाद : खड़ी बोली की निर्माण भूमि

द्वितीय इकाई

नवजागरण की संकल्पना और हिन्दी नवजागरण,हिन्दी पत्रकारिता की विकास यात्रा : हिन्दी की जातीय चेतना के निर्माण में पत्रकारिता की भूमिका।

तृतीय इकाई

भारतेंदुयुगीन साहित्यिक प्रवृत्तियॉ एवं भारतेंदु मण्डल,भारतेंदुयुगीन प्रमुख पत्र-पत्रिकाएँ (संक्षिप्त परिचय) विभिन्न गद्य विधाओं का उदय और विकास। द्विवेदी युगः ऐतिहासिक, सामाजिक,सांस्कृतिक, राजनीतिक परिस्थितियाँ, हिन्दी नवजागरण और सरस्वती पत्रिका, मैथिलीशरण गुप्त और राष्ट्रीय काव्यधारा

चतुर्थ इकाई

छायावाद की प्रवृतियाँ,प्रमुख छायावादी कवि,प्रगतिशील साहित्य की प्रवृतियाँ,प्रयोगवाद,नई कविता,समकालीन साहित्य.

सहायक ग्रन्थ :

1. गद्य साहित्य का इतिहास : रामचंद्र तिवारी
2. भारतेंदु युग और हिन्दी गद्य की विकास परम्परा : रामविलास शर्मा
3. हिन्दी पत्रकारिता : कृष्णबिहारी मिश्र
4. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण : रामविलास शर्मा
5. भारतेंदु एवं द्विवेदी युगीन भाषा चिंतन और पंगोविन्द नारायण मिश्र. जया सिंह.डॉ :
6. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियॉ : नामवर सिंह
7. हिन्दी आलोचना के बीज शब्द : बच्चन सिंह

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hindi
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V.
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

स्नातकोत्तर द्वितीय सेमेस्टर
पाठ्यक्रम संख्या : 204
स्त्री एवं दलित : अध्ययन और साहित्य

प्रथम इकाई

पुरुष प्रधान समाज में स्त्री,परिवार का संगठन और स्त्री स्त्री और श्रम,

स्त्रीवाद की अवधारणा,आधुनिकता और स्त्री,स्त्रीवादी आन्दोलन,स्त्री(श्रमिक,दलित,आदिवासी एवं अल्पसंख्यक के विशेष संदर्भ में)

द्वितीय इकाई

माई : गीतांजली श्री
अल्मा कबूतरी :मैत्रेयी पुष्पा
कविता :कहती हैं औरतें : सं.- अनामिका
मैं नीर भरी दुःख की बदली : महादेवी वर्मा

तृतीय इकाई

वर्ण-व्यवस्था और शूद्र, सामंती समाज और जाति व्यवस्था की संरचना,स्वतंत्रता संघर्ष और दलित प्रश्न,शूद्र,हरिजन या दलित,दलित साहित्य की अवधारणा, वैकल्पिक सौन्दर्यशास्त्र के निर्माण का प्रश्न,प्रमुख दलित विचारक : ज्योतिबा फूले,अम्बेडकर |

चतुर्थ इकाई

अपने-अपने पिंजरे :मोहनदास नैमिशराय
मुर्दहिया :तुलसीराम
मेरी कहानी : मुंग्वेकर

सहायक ग्रंथ :

1-दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र :ओमप्रकाश वाल्मीकि
2-साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका :मैनेजर पाण्डेय
3-जाति व्यवस्था : मिथक,वास्तविकता और चुनौतियाँ: सच्चिदानंद सिन्हा
4-नारी प्रश्न : सरला माहेश्वरी
5-स्त्री विमर्श भारतीय परिप्रेक्ष्य : डॉ के.एम. मालती
6-बाज़ार के बीच : बाज़ार के खिलाफ : प्रभा खेतान
7-आधुनिकता के आईने में दलित :सं. अभय कुमार दुबे
8-सामाजिक न्याय और दलित साहित्य :सं.श्योराज सिंह बेचैन
9-स्त्री संघर्ष का इतिहास - राधा कुमार

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hindi
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V.
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

स्नातकोत्तर तृतीय सेमेस्टर
पाठयक्रम संख्या : 301
भक्ति काव्य

प्रथम इकाई

भक्तिकाव्य : ऐतिहासिक, सामाजिक एवं दार्शनिक आधार ,
सगुण काव्य एवं निर्गुण काव्य में साम्य एवं वैषम्य, अष्टछाप
कृष्ण काव्यधारा एवं राम काव्यधारा की परम्परा।

द्वितीय इकाई

मलिक मुहम्मद जायसी : पद्मावत् (सिंहल द्वीप)
सम्पादक – आचार्य रामचंद्र शुक्ल
कबीर : (160-190 साखियां) (कबीर सं- हजारी प्रसाद द्विवेदी)

तृतीय इकाई

सूरदास : भ्रमरगीतसार (संपादक–आचार्य रामचंद्र शुक्ल-21- 50पद)
तुलसीदास : रामचरितमानस उत्तरकाण्ड सम्पूर्ण (गीता प्रेस, गोरखपुर)

चतुर्थ इकाई

मीराबाई : मीरा का काव्य (सं.–विश्वनाथ त्रिपाठी)
मनथे परस हरि के चरण, जनक हरि, अलि रे मेरे णैणा बाण पणी, मा. गिरधर आगा नाच्यां री, मारा री गिरधर गोपाल, माई सांवरे रंग रांची, मैं गिरधर के घर जाउँ,माई री महा लिया गोविंदा मोल, ये मत बरजा माई री।

सहायक ग्रन्थ :

1. भक्ति आन्दोलन और सूर का काव्य : मैनेजर पाण्डेय
2. लोकवादी तुलसीदास, : विश्वनाथ त्रिपाठी
3. तुलसी के हिय हेरि : विष्णुकान्त शास्त्री
4. लोक जागरण और हिन्दी साहित्य : रामविलास शर्मा
5. भक्ति आंदोलन और भक्तिकाव्य : शिवकुमार मिश्र
6. मध्यकालीन बोध और साहित्य : हजारी प्रसाद द्विवेदी
7. तुलसी काव्य–मीमांसा ' : डा. उदयभांनु सिंह
8. Medival India : The study of Civilization : इरफान हबीब
9. मध्यकालीन भारत का इतिहास : सतीश चंद्रा

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hindi
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V.
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

स्नातकोत्तर तृतीय सेमेस्टर
पाठयक्रम संख्या : 302
हिन्दी नाटक एवं एकांकी

प्रथम इकाई

नाट्य लेखन की परम्परा : हिन्दी नाट्य लेखन उद्भव एवं विकास ।

भारतेंदु युगः अनूदित एवं मौलिक नाटक, प्रसादयुगीन नाटककार : ऐतिहासिक–सामाजिक नाटक और स्वाधीनता आन्दोलन,प्रसाद की नाट्य कला एवं रंगमंच की समस्या।

द्वितीय इकाई

प्रसादोत्तर हिन्दी नाटकों की प्रवृत्तियां, हिन्दी एकांकी का सूत्रपात एवं विकास।

तृतीय इकाई

नाटकः

अंधेर नगरी	: भारतेन्दु हरिश्चंद्र
आधे-अधूरे	: मोहन राकेश
अंधा युग	: धर्मवीर भारती

चतुर्थ इकाई

एकांकी :

भोर का तारा	: जगदीश चंद्र माथुर
दीपदान	: रामकुमार वर्मा

सहायक ग्रंथ :

1. परंपराशील नाट्य : जगदीशचंद्र माथुर
2. पारसी हिन्दी रंगमंच : लक्ष्मीनारायण, लाल
3. समकालीन हिन्दी नाटक एवं रंगमंच : जयदेव तनेजा
4. नाट्यालोचन के सिद्धांत : सिद्धनाथ कुमार
5. हिन्दी नाटक : उद्भव एवं विकास : दशरथ ओझा
6. आधुनिक हिन्दी नाटक एवं रंगमंच : नेमिचंद्र जैन

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hindi
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V.
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

स्नातकोत्तर तृतीय सेमेस्टर
पाठ्यक्रम संख्या : 303

भारतीय काव्यशास्त्र

प्रथम इकाई

भारतीय काव्यशास्त्र का इतिहास : सामान्य परिचय

काव्य–लक्षण: काव्य हेतु, काव्य–प्रयोजन, काव्य–गुण एवं काव्य–दोष

शब्द शक्ति : अभिधा, लक्षणा, व्यंजना.

द्वितीय इकाई

भरतमुनि का रस – सिद्धांत, रस-निष्पत्ति, रस सूत्र के व्याख्याकार साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा, ध्वनि-सिद्धांत का स्वरूप और आनंदवर्धन

तृतीय इकाई

अलंकार सिद्धांत : अंलकार का महत्व, प्रमुख आचार्यों के मत।
प्रमुख अलंकार : यमक, श्लेष, वक्रोक्ति, उपमा,रूपक,

उत्प्रेक्षा,संदेह,

भ्रांतिमान,अतिशयोक्ति, अन्योक्ति, समासोक्ति, अत्युक्ति, दृष्टांत, उदाहरण, निदर्शना, विभावना,

रीति सिद्धांत : रीति का वर्गीकरण, रीति एवं गुण.

चतुर्थ इकाई

वक्रोक्ति : वर्गीकरण वक्रोक्ति और अभिव्यंजनावाद,वक्रोक्ति का महत्त्व. औचित्य सिद्धांत :औचित्य की अवधारणा, औचित्य का महत्त्व.

सहायक ग्रन्थ :

1. संस्कृत काव्यशास्त्र : बलदेव उपाध्याय
2. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र : गणपति चंद्र गुप्त
3. काव्यशास्त्र : भगीरथ मिश्र
4. रस–मीमांसा : आचार्य रामचंद्र शुक्ल
5. रस–सिद्धांत : डा. नगेंद्र
6. समीक्षा सिद्धांत : रामअवध द्विवेदी

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hindi
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V.
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

स्नातकोत्तर तृतीय सेमेस्टर
पाठ्यक्रम संख्या : 304
आधुनिक भारतीय साहित्य

(नोट-सभी मूल से हिन्दी में अनूदित कृतियाँ ही पाठ्यक्रम में निर्धारित हैं)

प्रथम इकाई

भारतीयता की अवधारणा : इतिहास एवं परम्परा, बहुभाषिकता एवं बहुसांस्कृतिकता। राष्ट्रवाद का उदय और भारतीय साहित्य।

द्वितीय इकाई

संस्कार : यू. आर. अनंतमूर्ति
मछुआरे : तकषी शिवशंकर पिल्लै

तृतीय इकाई

अक्करमाशी : शरण कुमार लिम्बाले
गोरा : रवीन्द्रनाथ

चतुर्थ इकाई

तुगलक :**गिरीश कर्नाड**

कवितायें -

रवीन्द्रनाथ की कविताएँ (चयनित) : (संपादन एवं अनुवाद : हजारी प्रसाद द्विवेदी) :निर्झर का स्वप्न भंग, प्राण, मुक्ति, भारत तीर्थ, अपमानित.

अवतार सिंह 'पाश'- मैं अब विदा लेता हूँ,मेरी माँ की आँखें,सबसे खतरनाक,धर्मदीक्षा के लिए विनय-पत्र,

वरवर राव - एक हाथ और दूसरा हाथ,अम्मा,आवाज़.

सहायक ग्रन्थ :

1. संस्कृति के चार अध्याय : रामधारी सिंह दिनकर
2. भारतीय राष्ट्र के उदय की सामाजिक–सांस्कृतिक पृष्ठभूमि : ए आर देसाई
3. भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास : डा. नगेंद्र
4. राष्ट्रवाद : रवीन्द्रनाथ टैगोर
5. भारतीय चिंतन परम्परा : के. दामोदरन
6. समकालीन भारतीय साहित्य पत्रिका (साहित्य अकादमी की फाइलें)

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hindi
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V.
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)